1	2	3	4	5
14	27-10-1977 भवानीपटना के निकट (उड़ीसा)	,,	बसंत वीटी— इइइ	जांच की जा रही है।
15	25-11-1977 सिधानूर के निकट (कर्नाटक)	भारत एग्रो एविएशन	बैल47जी 5 हैलीकॉप्टर वीटी— इसीबी	जांच की जा रही है।

(ग) पिछले पांच वर्षों में हुई विमान दुर्घटनाओं की संख्या तथा इनमें मारे गये व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :—

	दुर्घटनाओं की संख्या			मारे गये व्यक्तियों की संख्या			
वर्ष	घातक	अघातक	कुल	यात्री	कर्मी	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
1973	5	33	38	48	11	1	60
1974	4	21	25	1	4	—	5
1975	3	14	17	5	2	—	7
1976	3	14	17	90	7	1	98
1977 (14-12-77) तक)	1	14	15	5	5	—	10
कुल योग .	16	96	112	149	29	2	180

Scaling down of over-head margin charged by S.T.C.

*458. SHRI B. K. NAIR: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the profits made by the S.T.C. during the last five years;

(b) whether the margin charged by S.T.C. on transactions is very often more than 20 per cent; and

(c) whether as a measure of encouraging producers of export goods and of giving relief to consumers of imported materials and articles, the S.T.C. propose to consider scaling down the over-head margin substan-

tially down to no-profit no-loss level in deserving cases?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) The profits earned by the STC (after tax) during the last five years are given below:—

(Rs. lakhs.)

Year	Profit (after tax)
1972-73	593·25
1973-74	423·58
1974-75	649·99
1975-76	570·39
1976-77	944·33

(b) No, Sir. The margin charged on most of the export items varies between 1/4 per cent to 1 per cent. In the case of imports, STC's Margins are determined by the pricing Committee under the Chairmanship of Chief Controller of Imports and Exports and generally vary between 1 per cent to 5 per cent depending upon the category of users. For 72 per cent of imports, STC's charges are only 1 per cent to 2 per cent. The maximum margin of 15 per cent is charged on brewery hops.

(c) The policy adopted by the Pricing Committee is to fix the price of the Commodities, with a view to keeping the price level as low as possible and ensuring that the canalising agencies do not make more than a "reasonable and fair profit" out of such transactions. Higher margins are fixed only in the case of few sensitive items which command high premia in the market or to protect indigenous producers.

राष्ट्रीयकृत बैंकों में क्लर्क ग्रेड और ग्रेड II के अधिकारियों की संख्या

*459. **श्री मही लाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीयकृत बैंकों में, बैंक-वार, क्लर्क ग्रेड और ग्रड II और ग्रेड I के अधिकारियों की संख्या कितनी-कितनी है और उनमें श्रेणीवार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के कर्मचारियों की संख्या और प्रतिशतता क्या है ;

(ख) क्या इन बैंकों में पदों पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित कोटा पूरा कर लिया गया है ; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार इन बैंकों के प्रबन्धकों को यह अनुदेश देगी कि जब तक ग्रेड II और ग्रेड I के पदों में अनुसूचित जातियो और अनुसूचित जनजातियों का कोटा पूरा न हो तब तक इन्हीं जातियों के उम्मीदवारों का चयन किया जाए ।

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों का वर्गीकरण "सुपरवाइजरी" "क्लेरीकल" और "अधीनस्थ" में किया गया है । चौदह राष्ट्रीयकृत बैंकों में 31-12-76 की स्थिति के अनुसार सुपरवाइजरी और क्लरीकल ग्रेडों में कर्मचारियों की संख्या उनमें अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्यों की संख्या और उनके प्रतिशत का वर्ग विवरण सभा पटल पर रखा जा रहा है ।

(ख) राष्ट्रीयकृत बैंको न सूचित किया है कि इन समुदायों के उम्मीदवारों की आयु, शैक्षणिक योग्यताओं और योग्यता-मानकों में छूट दिए जाने के बावजूद, उपयुक्त उम्मीद-